राष्ट्रीय संगोष्ठी

जगद्गुरु श्री शंकराचार्य : भाषा, संस्कृति एवं राष्ट्रीय एकता

(JAGADGURU SHRI SHANKARACHARYA : LANGUAGE, CULTURE & NATIONAL UNITY)

30 MARCH, 2024

प्रायोजक

भारतीय भाषा समिति, नई दिल्ली
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

आयोजक

राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सुलतानपुर, उ0प्र0
(सम्बद्ध : डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या)

: rppgcollege.ac.in   : rpdc@rediffmail.com

संरक्षक

प्रो0 प्रतिभा गोयल

कुलपति, डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

पद्म श्री चमूकृष्ण शास्त्री

भारतीय भाषा समिति, नई दिल्ली

श्री संजय सिंह

अध्यक्ष, राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सुलतानपुर

श्री बालचन्द्र सिंह

प्रबन्धक, राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सुलतानपुर

राष्ट्रीय परामर्शदात्री समिति

- **प्रो0 दीपक प्रकाश त्यागी**

अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, दी0द0उ0 गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

- **प्रो0 संजय कुमार**

हिन्दी विभाग, मिजोरम विश्वविद्यालय, आइजोल

- **प्रो0 विनोद कुमार सिंह**

सदस्य, उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज

- **प्रो0 दानपति तिवारी**

अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी

- **प्रो0 अनिल प्रताप गिरि**

अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, इलाहाबाद वि0वि0, प्रयागराज

- **प्रो0 एस0डी0 शर्मा**

पूर्व प्राचार्य, जय नारायण पी0जी0 कॉलेज, लखनऊ

- **डॉ0 पंकज कुमार**

एसोसिएट प्रोफेसर, भूगोल विभाग, स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

- **डॉ0 नेत्रानंद साहू**

एसोसिएट प्रोफेसर, भूगोल विभाग, स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

- **डॉ0 नरेश कुमार वर्मा**

राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन केन्द्र, जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय
नई दिल्ली

- **डॉ0 अवधेश प्रताप सिंह**

संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

- **प्रो0 मनोज कुमार सिंह**

भौतिकी विभाग, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, हरियाणा

- **डॉ0 मनीष कुमार**

भूगोल विभाग, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, हरियाणा

स्थानीय परामर्शदात्री समिति

- **प्रो0 एस0बी0 सिंह**
  पूर्व प्राचार्य, राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सुलतानपुर
- **डॉ0 एम0पी0 सिंह**
  पूर्व अध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग, राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय सुलतानपुर
- **प्रो0 एम0पी0 सिंह बिसेन**
  अध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग, राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय सुलतानपुर
- **प्रो0 अंग्रेज सिंह राणा**
  प्राचार्य, गनपत सहाय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सुलतानपुर
- **प्रो0 रामनयन सिंह**
  प्राचार्य, संत तुलसीदास स्नातकोत्तर महाविद्यालय कादीपुर, सुलतानपुर
- **प्रो0 राकेश कुमार पाण्डेय**
  प्राचार्य, गोविन्द बल्लभ पंत महाविद्यालय, प्रतापगंज, जौनपुर
- **प्रो0 सुनील प्रताप सिंह**
  प्राचार्य, सल्तनत बहादुर स्नातकोत्लर महाविद्यालय, बदलापुर, जौनपुर
- **प्रो0 जितेन्द्र तिवारी**
  अध्यक्ष, प्राचीन इतिहास विभाग, संत तुलसीदास स्नातकोत्तर महाविद्यालय कादीपुर, सुलतानपुर
- **डॉ0 सतीश कुमार सिंह**
  प्राचीन इतिहास विभाग, संत तुलसीदास स्नातकोत्तर महाविद्यालय कादीपुर, सुलतानपुर
- **डॉ0 अभिषेक कुमार**
  अध्यक्ष, दर्शनशास्त्र विभाग, गनपत सहाय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सुलतानपुर

संयोजक

प्रो0 दिनेश कुमार त्रिपाठी

प्राचार्य, राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सुलतानपुर

सह-संयोजक

प्रो0 निशा सिंह

उप प्राचार्य, राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सुलतानपुर

समन्वयक

डॉ0 इन्द्रमणि कुमार
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
सुलतानपुर
मो0नं0 : 9450714647

डॉ0 अमित कुमार तिवारी
अध्यक्ष, संस्कृत विभाग
राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
सुलतानपुर
मो0नं0 : 8766273934

महाविद्यालय का परिचय

राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सुलतानपुर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों को अर्जित करने हेतु सतत् प्रयत्नशील है। वर्ष 1971 में स्थापित यह महाविद्यालय डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या से सम्बद्ध है। पुण्य सलिला गोमती नदी के तट पर स्थित और पौराणिक तरु पारिजात की प्रभा से प्रकाशित इस महाविद्यालय में कला, विज्ञान, वाणिज्य और शिक्षा संकाय के अंतर्गत विभिन्न विषयों में स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर अध्ययन–अध्यापन का कार्य सम्पादित होता है। यह एक उत्कृष्ट शोध केंद्र भी है जहाँ अनेक शोधार्थी ज्ञान–विज्ञान की नई दिशाओं की तलाश हेतु तत्पर हैं। विद्या और पौरुष को राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक मानने वाला हमारा महाविद्यालय शोध, सृजन और सार्थक विचारों की एक नई दुनिया का निर्माण कर रहा है।

लखनऊ–वाराणसी रेल मार्ग/राजमार्ग पर स्थित सुलतानपुर शहर के सिविल लाइन क्षेत्र में निर्मित यह महाविद्यालय रेलवे स्टेशन से लगभग 2 किलोमीटर और बस स्टेशन से क़रीब 1 किलोमीटर की दूरी पर पूर्व दिशा में है। भारतवर्ष के दो महत्त्वपूर्ण सांस्कृतिक केंद्रों प्रयागराज और अयोध्या को जोड़ने वाला राजमार्ग भी महाविद्यालय के पास से होकर गुजरता है।

संगोष्ठी के विषय में

जगद्गुरु शंकराचार्य भारतीय ज्ञान परंपरा के शिखर पुरुष हैं। इन्होंने न सिर्फ भारत की आध्यात्मिक चिंतन परम्परा को नई दिशा दी, अपितु भारतवर्ष की राष्ट्रीय सांस्कृतिक एकता को समृद्ध करने में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारत की सनातन धर्म परम्परा को पुनर्प्रतिष्ठित करने में इनका योगदान अग्रणी रहा है। शंकराचार्य ने जिस अद्वैत वेदांत दर्शन का प्रतिपादन किया उसके विषय में डॉ राधाकृष्णन ने लिखा है कि इनका दर्शन 'अत्यंत सूक्ष्मता के साथ गहराई में जाने वाला तथा अगाध आध्यात्मिक ज्ञान से परिपूर्ण' है। उन्होंने उनके दर्शन को मानव मस्तिष्क का सर्वोच्च चिंतन कहा है।

इस संगोष्ठी का आयोजन श्री जगद्गुरु शंकराचार्य के चिंतन और दर्शन पर गंभीर और राष्ट्रव्यापी चर्चा के उद्देश्य से किया गया है ताकि हमारे देश का विद्वत समाज और हमारी युवा पीढ़ी इससे परिचित और लाभान्वित हो सके।

उप-विषय

- भारतीय ज्ञान परम्परा और जगद्गुरु श्री शंकराचार्य
- श्री शंकराचार्य और भारत की राष्ट्रीय संस्कृति तथा धार्मिक एकता
- वर्तमान समय में शंकराचार्य के दर्शन की प्रासंगिकता
- शंकराचार्य के दर्शन का साहित्य पर प्रभाव
- वेदांत और नव्य वेदांत
- जगद्गुरु श्री शंकराचार्य : आध्यात्मिक एवं भाषाई एकता के वाहक
- शंकराचार्य और तत्कालीन समाज
- जगद्गुरु श्री शंकराचार्य के दर्शन में भारतीय एकात्मकता और भाषाएँ
- जगद्गुरु श्री शंकराचार्य एवं भारत की एकात्मकता

आमंत्रित विषय-विशेषज्ञ

प्रो० रामजी तिवारी
पूर्व अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, मुम्बई विश्वविद्यालय, मुम्बई

प्रो० राम किशोर शास्त्री
पूर्व अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज

श्री कमलनयन पाण्डेय
सम्पादक, युगतेवर

प्रो० नन्द किशोर
विशेषज्ञ, भारतीय ज्ञान परम्परा, हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा

प्रो० शैलेश मिश्रा
समाज विज्ञान संकाय, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी

प्रो० राधेश्याम सिंह
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, के0एन0आई0पी0एस0एस0, सुलतानपुर

आमंत्रण

महाविद्यालय इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता और मुख्य विषय तथा इससे सम्बंधित अन्य विषयों पर अपने शोध पत्र वाचन के लिए आप सभी सम्मानित विद्वानों, शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों को आमंत्रित करता है।

- इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता के लिए पंजीकरण अनिवार्य है।
- पंजीकरण इस लिंक/गूगल फार्म के माध्यम से किया जा सकता है-

https://forms.gle/nB9avL9kHoh2VDz59

आयोजन स्थल पर भी संगोष्ठी प्रारंभ होने से पहले तक पंजीकरण संभव है।

आपसे अपेक्षा है कि आप अपना शोध–सार (Abstract) **दिनांक 28 मार्च, 2024 तक प्रेषित कर दें। यह लगभग 200 शब्दों में यूनिकोड, मंगल या कृतिदेव 10 में टंकित होना चाहिए। अंग्रेजी माध्यम के प्रतिभागी इसे Times New Roman में भेज सकते हैं।**

प्रतिभागी पंजीकरण करते समय अपने शोध सार को गूगल फार्म/लिंक पर अपलोड कर सकते हैं। इसे निम्नलिखित ई–मेल पते पर भी प्रेषित किया जा सकता है : imk.rpdc@gmail.com

पंजीकरण शुल्क शिक्षकों के लिए 500 रुपये और शोधार्थियों/विद्यार्थियों के लिए 300 रुपये रखा गया है।

पंजीकरण शुल्क ऑनलाइन जमा करने के लिए बैंक खाते का विवरण निम्नवत है–

A/C Number	:	19612041001168
A/C Holder's Name	:	Conference fund Rana Pratap P.G.College
IFSC	:	PUNB0196110
Bank Name	:	Punjab National Bank
Bank Address	:	Civil Lines, Sultanpur U.P. 228001

उद्घाटन स्थल

क्षत्रिय भवन सभागार

राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सुलतानपुर

दिनांक / समय

30 मार्च, 2024 / प्रातः 10 बजे